बाइरैक i3

प्रेरण • नवप्रवर्तन • व्यवसाय

आर्थिक विकास
की ओर बढ़ते कदम...

birac
Ignite Innovate Incubate

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद
(भारत सरकार का उपक्रम)

जनवरी – मार्च 2022
सं.1 अंक 9

बाइरैक

संपादकीय समिति

डॉ. शिरशेन्दु मुखर्जी
मिशन निदेशक
ग्रैंड चैलेंजेज इंडिया

सुश्री गिन्नी बंसल
परामर्शदाता (सचांर)
ग्रैंड चैलेंजेज इंडिया

सुश्री हिमांशी शर्मा
परामर्शदाता (संचार)
राष्ट्रीय बॉयोफार्मा मिशन

डिज़ाइन और उत्पादन
गोल्डमाइन एडवरटाइजिंग लिमिटेड, 4834/24, प्रथम तल, किरण मैंशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली—110002

अनुक्रमणिका

इस अंक में

नेतृत्वकर्ता का संदेश 02

मुख्य संपादक के विचार 03

बाइरैक की मुखाकृति 04
स्पर्श अध्येता – स्नातक दिवस और निवेशक बैठक

बाइरैक की रिपोर्ट 07
बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी प्रबंधन
बीआईजी 20वीं कॉल का आयोजन
बायोटेक इग्निशन ग्रांट (बीआईजी) कॉल–19
अमृत ग्रैंड चैलेंज "जनकेयर" कार्यक्रम
पहली राष्ट्रीय ई–युवा
सितारे
बायोटेक इनोवेशन इग्निशन स्कूल (बीआईआईएस)
बाइरैक इक्विटी फंडिंग योजनाएं (सीड फंड)
बाइरैक इक्विटी फंडिंग योजनाएं (लीप फंड)
बाइरैक द्वारा समर्थित स्टार्ट–अप्स के लिए फंडिंग और मान्यता
आगे बढ़ने की गतिविधियाँ

बायोनेस्ट नेटवर्क अपडेट 19
बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर–ई–युवा केंद्र

रोड शो 21
आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम

मानव संसाधन एवं प्रशासनिक गतिविधियाँ 22

साझेदारियां 25
ग्रैंड चैलेंजेज इंडिया

राष्ट्रीय कार्यक्रम 26
राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन

नेतृत्वकर्ता का संदेश

डॉ. राजेश एस गोखले
सचिव, डीबीटी एवं अध्यक्ष, बाइरैक

भारत में बायोटेक क्षेत्र का तेजी से विस्तार हो रहा है और यह एक महत्वपूर्ण परिवर्तन की प्रेरक शक्ति बन चुका है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि बायोटेक क्षेत्र के जोश और उत्साह ने विस्तार की गति को बनाए रखा है। हाल के कुछ वर्षों में, बायोटेक क्षेत्र ने मानव जाति की भलाई को प्रभावित किया है, नए अवसर तैयार किये हैं और कई लोगों के जीवन को बदल दिया है। बाइरैक डीबीटी और भारत सरकार की मदद से भारत में वाणिज्यिक क्षमता को उजागर करने के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान डोमेन के साथ साझेदारी करके उद्यमशीलता की मानसिकता को बढ़ावा दे रहा है और नवाचार की भावना का समर्थन कर रहा है। बायोटेक्नोलाजी इकोसिस्टम के विकास में बाइरैक का बहुत बड़ा योगदान बेहद परिवर्तनकारी है।

बाइरैक केवल नवाचारों को बढ़ावा देने और उनके व्यावसायीकरण को सुविधाजनक बनाने के लिए ही नहीं, बल्कि भारतीय उद्यमों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को सुनिश्चित करने के लिए भी समर्पित है। डीबीटी–बाइरैक ने उभरते हुए बायोटेक्नोलाजी इकोसिस्टम को सशक्त और सक्रिय किया है, जिसका 2024–25 तक देश के 5 ट्रिलियन अमरीकी डालर के लक्ष्य पर प्रभाव डालने का अनुमान है। बाइरैक द्वारा समर्थित नवाचारों ने एक लंबा सफर तय किया है और स्वास्थ्य, कृषि व स्वास्थ्य देखभाल जैसे क्षेत्रों में गहरा प्रभाव डाला है।

अपनी स्थापना के बाद से, बाइरैक ने नवाचार और स्टार्टअप के इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई परियोजनाएं, कार्यक्रम, इवेन्ट और सहयोगी मॉडल स्थापित किए हैं। स्वच्छ भारत, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और अन्य विभिन्न मिशन कार्यक्रमों के साथ बाइरैक का घनिष्ठ संरेखण भी स्वदेशी समाधानों के विकास और सत्यापन में सहायता कर रहा है जो देश की अधूरी जरूरतों का समाधान करते हैं। बाइरैक का उद्देश्य बायोटेक स्टार्टअप्स और एसएमई को स्थानीय और वैश्विक हितधारकों से जोड़कर और वैश्विक उत्कृष्टता प्राप्त करने में उनकी सहायता करके उनकी क्षमताओं में सुधार करना है।

जैसा कि 20 मार्च, 2022 को बाइरैक ने नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण और भारतीय उद्यमों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को सुविधाजनक बनाने के लिए अपनी दसवीं वर्षगांठ मनाई है, मैं इस अवसर पर संगठन में सभी को उनकी उपलब्धियों के लिए धन्यवाद और बधाई देना चाहता हूं। नए स्टार्टअप, पेटेंट फाइलिंग, प्रौद्योगिकी और उत्पादों की लगातार बढ़ती संख्या देश में बायोटेक स्टार्टअप के विस्तार का संकेत दे रही है। मुझे विश्वास है कि अगले कुछ वर्षों में, हमारे समुदायों और दुनिया भर में अंतर को जारी रखते हुए, बाइरैक बायोटेक क्षेत्र में नए और अप्रत्याशित तरीकों से क्रांति लाने में मदद करने के लिए अच्छी तरह से तैनात रहेगा।

मुख्य संपादक के विचार

डॉ. अलका शर्मा
वरिष्ठ सलाहकार, डीबीटी एवं
प्रबंध निदेशक–बाइरैक

हाल के कुछ वर्षों में, भारत के जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने तेजी से विकास किया है, जिसमें बायोफार्मास्युटिकल क्षेत्र सबसे आगे है। आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी की बदौलत आज स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं, भोजन, ऊर्जा और संरक्षण में कई सफलताएँ प्राप्त हो रही हैं।

डीबीटी–बाइरैक ने समाज के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित नवाचारों का समर्थन करने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। बाइरैक का सपना आत्मनिर्भर भारत के एक मिशन को पूरा करना है और इसने बायोफार्मास्युटिकल व बायो–सर्विस सेक्टर के प्रदर्शन को तेज करके महामारी के दौरान नागरिकों की सेवा की है। पिछले 30 वर्षों में स्वास्थ्य देखभाल पर जैव प्रौद्योगिकी का बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है, और यह आने वाले भविष्य में भी जारी रहेगा क्योंकि डीबीटी–बाइरैक विभिन्न अभिसरण मंचों को विकसित करने के लिए काम करता है जो एक देश के रूप में अभिकर्मकों, निदानों, वैक्सीन और चिकित्सा विज्ञानों के विकास के लिए उत्पाद संसाधनों और प्रौद्योगिकी सेवाओं के मामले में हमारी आवश्यकताओं को सुव्यवस्थित करेंगे।

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग में भारत की अर्थव्यवस्था को बदलने की अपार संभावनाएं हैं। अक्सर भारत की "सनराइज़ इंडस्ट्रीज" में से एक के रूप में संदर्भित, जैव प्रौद्योगिकी उद्योग ने पहले ही देश में जैव प्रौद्योगिकी नवाचार के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उत्पाद के वितरण के लिए पारिस्थितिकी तंत्र की जीवंतता को प्रमुख नीति चालकों और समर्थकों के साथ एक मजबूत नियामक वातावरण की आवश्यकता है। बाइरैक ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के पोषण और समर्थन के लिए शक्ति और एक तंत्र प्रदान किया है, साथ ही अकादमिक संस्थानों में विकसित विचारों के व्यावसायीकरण की तलाश करने वाली कंपनियों के साथ सहयोग किया है।

बाइरैक के लिए, जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र को रणनीतिक महत्व देना इस समय की आवश्यकता बन चुकी है, जिसमें स्वास्थ्य संबंधी उत्पादों और निवेश के उत्पादन में तेजी लाने की आवश्यकता है। 75 बायो–इनक्यूबेटर्स और चार क्षेत्रीय उद्यमिता विकास केंद्रों के समर्थन के माध्यम से, बाइरैक ने केवल दस वर्षों में 3500 से अधिक उद्यमियों, स्टार्टअप्स और एसएमई, 350 औद्योगिक संबंधों और 713132 वर्ग फुट इन्क्यूबेशन स्पेस का विकास किया है। अब तक बनाए गए 750 उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के साथ–साथ, बाइरैक में 1250 आईपी उत्पन्न किए गए हैं।

बाइरैक केवल नवाचारों को बढ़ावा देने और उनके व्यावसायीकरण को सक्षम करने के लिए ही नहीं बल्कि भारतीय उद्यमों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। बाइरैक द्वारा समर्थित नवाचारों ने कृषि व्यवसाय से लेकर स्वास्थ्य देखभाल और फार्मास्यूटिकल्स से लेकर ऊर्जा और कंप्यूटिंग तक की समस्याओं का समाधान करने में एक लंबा सफर तय किया है। बाइरैक ने नवप्रवर्तकों, एसएमई, स्टार्टअप्स को जो संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र दिया है, वह प्रमुख सामाजिक समस्याओं को दूर करने में बेहद लाभकारी सिद्ध हुआ है।

स्पर्श (उत्पादों के लिए सामाजिक नवाचार कार्यक्रमः किफायती और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए प्रासंगिक) अध्येता – स्नातक दिवस और निवेशक बैठक

स्पर्श नॉलेज पार्टनर, टीआईएसएस के सहयोग से जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाईरैक) ने 22 और 23 मार्च 2022 को आईआईटी–दिल्ली परिसर में एफआईटीटी की रिसर्च पार्क सुविधा में स्पर्श केंद्र में "स्नातक दिवस और निवेशकों की बैठक" का आयोजन किया। यह कार्यक्रम स्पर्श नवोन्मेषकों की विसर्जन यात्रा के पूरा होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। स्पर्श अध्येता, पीआई और 14 स्पर्श केंद्रों के प्रबंधकों, टीआईएसएस संकाय, बाईरैक विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों, निवेशकों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों सहित 100 से अधिक प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

अध्येताओं को 18 महीने की अवधि में बाईरैक, विषय विशेषज्ञों, टीआईएसएस और स्पर्श केंद्रों द्वारा सलाह दी गई और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से अध्येताओं ने स्पर्श फेलोशिप के माध्यम से अंकुरित विचार के सिद्धांत को प्रमाणित करने के लिए एक अल्फा स्तर प्रोटोटाइप / तकनीक विकसित की है।

आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों, शिक्षकों और छात्रों ने स्टालों का दौरा किया, जहां फेलोशिप कार्यक्रम के तहत विकसित किए गए पोस्टर और प्रोटोटाइप प्रदर्शित किए गए थे। 65 अध्येताओं के समूह ने लगभग 60 प्रोटोटाइप विकसित किए और करीब 30 आईपी फाइल किए गए। विषय विशेषज्ञों ने फेलोशिप के पूरा होने पर अंतिम परिणाम की सराहना की। अध्येताओं ने बाईरैक की प्रबंध निदेशक से पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त किया और अपनी उद्यमिता यात्रा के नए अध्याय की शुरुआत की।

इस कार्यक्रम में संभावित निवेशकों के साथ स्पर्श अध्येताओं को बातचीत करते हुए भी देखा गया। 5 निवेशकों ने अध्येताओं के साथ अनुदान बढ़ाने और निवेशकों को पिच करने की सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया। इस कार्यक्रम ने नेटवर्किंग के अवसर प्रदान किए और अपने उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए बहुत आवश्यक मंच प्रदान किया।

स्पर्श फेलोशिप का नया समूह अप्रैल 2022 से शुरू हुआ। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, उम्र बढ़ने और स्वास्थ्य, एग्रीटेक, वेस्ट टू वैल्यू, पर्यावरण प्रदूषण का मुकाबला और खाद्य और पोषण के विषयगत क्षेत्रों में अपनी सामाजिक नवाचार विसर्जन यात्रा शुरू करने के लिए 67 स्पर्श अध्येताओं की भर्ती की गई।

बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी प्रबंधन

शैक्षणिक संस्थानों के स्टार्ट–अप, छात्रों, वैज्ञानिकों और आईपी और टेक ट्रांसफर फ्रटर्निटी को जागरूक करने के लिए वेबिनार

बाईरैक ने विभिन्न विषयों पर स्टार्ट–अप, छात्रों, शैक्षणिक संस्थानों के वैज्ञानिकों और आईपी व टेक ट्रांसफर फ्रटर्निटी को संवेदनशील बनाने के लिए वेबिनार की एक श्रृंखला का आयोजन किया जैसे कि "पेटेंट की प्रक्रिया और रणनीति", "3डी–प्रिंटिंग: पेटेंट और बौद्धिक संपदा की चुनौतियां", "भौगोलिक संकेत और इसकी पंजीकरण प्रक्रिया" और "जैव–संपत्ति पर प्राइमर"। इस वेबिनार में लगभग 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

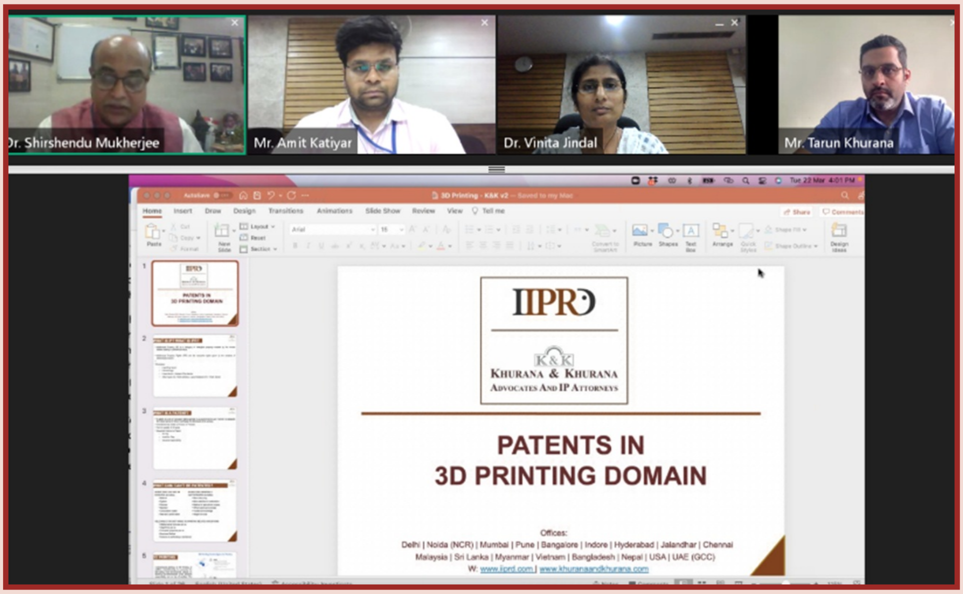

बाईरैक की वेबिनर श्रंखला की एक झलक

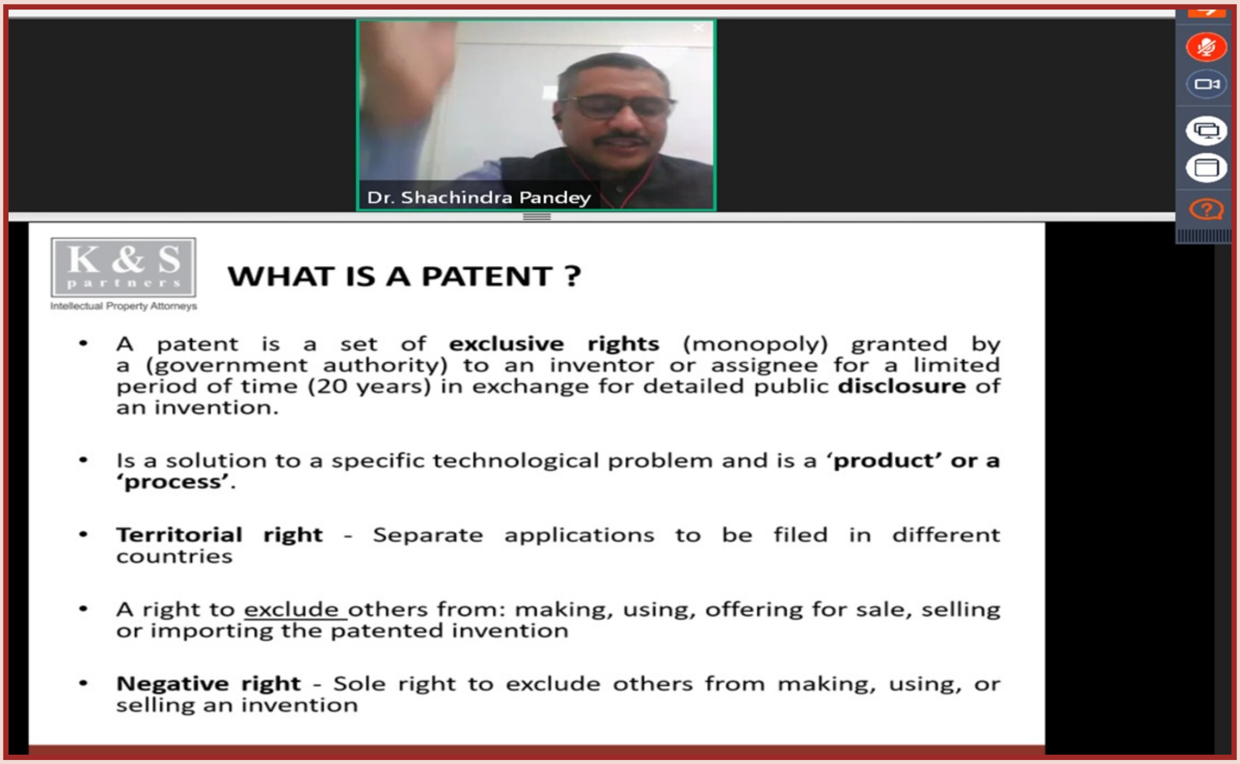
Dr. Shachindra Pandey
K & S partners
Intellectual Property Attorneys
WHAT IS A PATENT ?
• A patent is a set of **exclusive rights** (monopoly) granted by a (government authority) to an inventor or assignee for a limited period of time (20 years) in exchange for detailed public **disclosure** of an invention.
• Is a solution to a specific technological problem and is a **'product' or a 'process'**.
• **Territorial right** - Separate applications to be filed in different countries
• A right to exclude others from: making, using, offering for sale, selling or importing the patented invention
• **Negative right** - Sole right to exclude others from making, using, or selling an invention

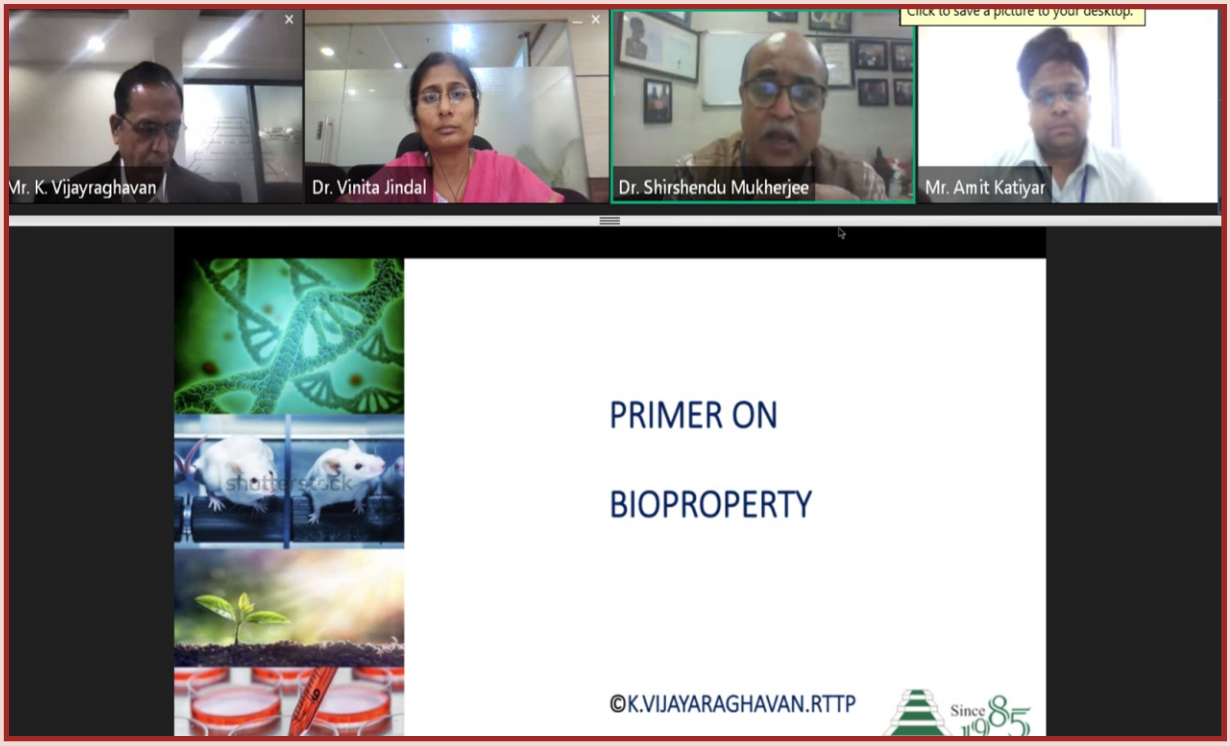
Mr. K. Vijayraghavan
Dr. Vinita Jindal
Dr. Shirshendu Mukherjee
Mr. Amit Katiyar
PRIMER ON
BIOPROPERTY
©K.VIJAYARAGHAVAN.RTTP
Since 1985

बाईरैक आईपी एंड टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट लॉ क्लिनिक कनेक्ट

बाईरैक ने 11 फरवरी, 2022 को आईपी एंड टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट लॉ क्लिनिक कनेक्ट का एक वर्चुअल सत्र आयोजित किया, जिसमें डोमेन विशेषज्ञों के साथ आईपी और लाइसेंसिंग मामलों पर चर्चा करने के लिए 6 स्टार्ट–अप और इनोवेटर्स शामिल हुए।

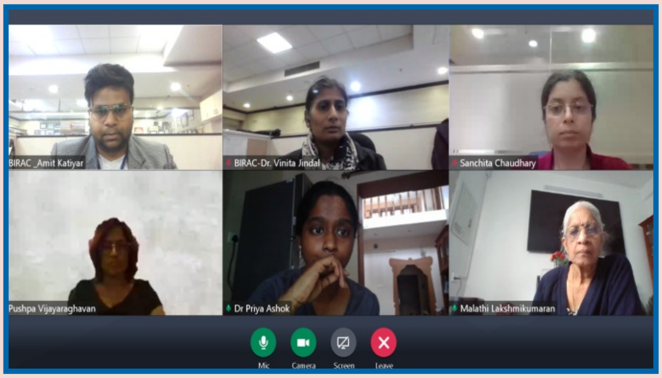

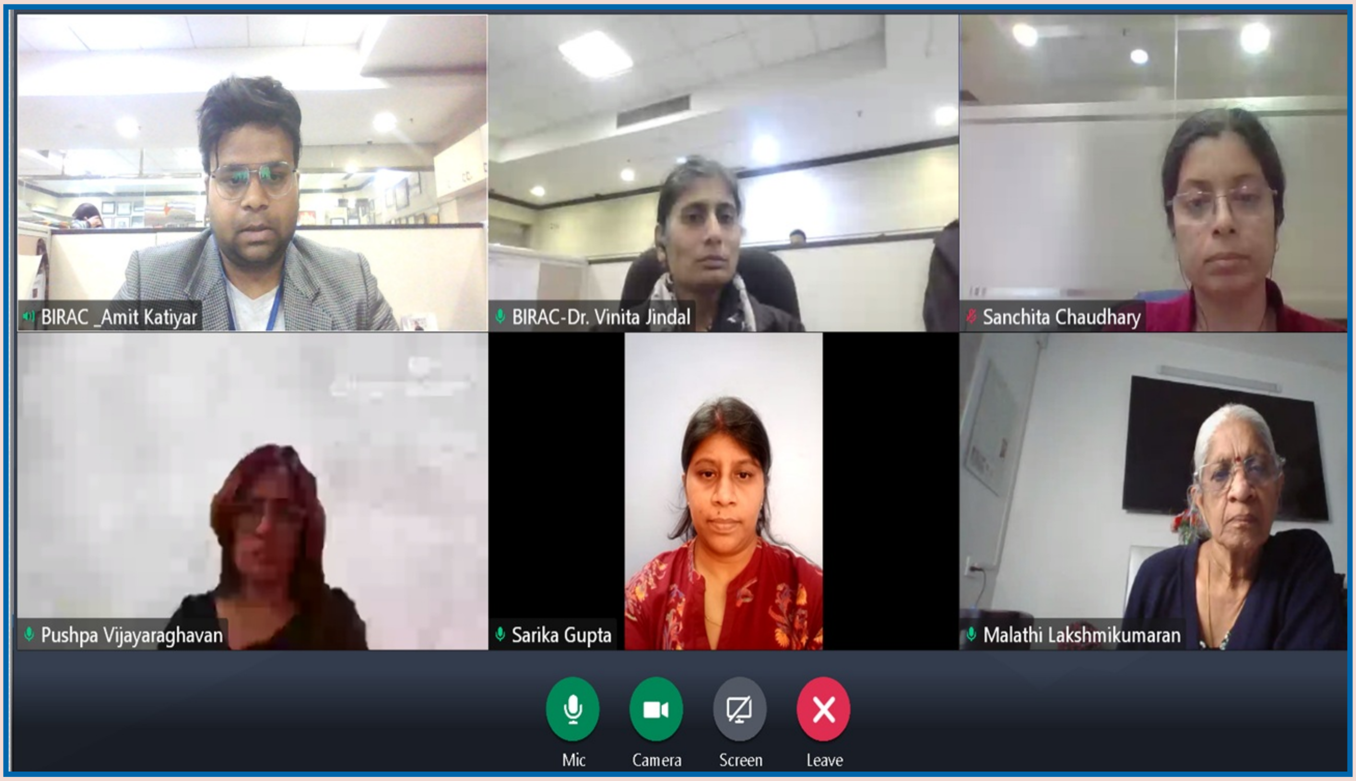

बाईरैक आईपी एंड टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट लॉ क्लिनिक कनेक्ट की एक झलक

बीआईजी 20वीं कॉल

बायोटेक्नोलॉजी इग्निशन ग्रांट (बीआईजी)

बाइरैक के प्रमुख कार्यक्रम, बायोटेक्नोलॉजी इग्निशन ग्रांट (बीआईजी), नए विचारों को उभारना, 20वीं कॉल 1 जनवरी 2022 को लॉन्च किया गया था। बीआईजी कार्यक्रम के तहत, व्यक्तिगत उद्यमियों और स्टार्ट–अप को स्वास्थ्य देखभाल, जीवन विज्ञान, निदान, चिकित्सा उपकरण, दवाएं, टीके, दवा निर्माण, और वितरण प्रणाली, औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी, अपशिष्ट प्रबंधन, कृषि और माध्यमिक कृषि, स्वच्छता, स्वच्छ ऊर्जा आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में नवाचारों के लिए 50 लाख रूपए तक की सहायता प्रदान की जाती है।

20वीं कॉल के तहत, 833 आवेदन प्राप्त हुए जिनकी जांच और मूल्यांकन किया जा रहा है।

बायोटेक इग्निशन ग्रांट (बीआईजी) कॉल–19 के लिए अंतिम चयन की बैठक

बीआईजी–19 चयनः बायोटेक इग्निशन ग्रांट (बीआईजी) कॉल–19 के लिए अंतिम चयन की बैठक, सचिव डीबीटी और अध्यक्ष–बाइरैक की अध्यक्षता में फरवरी 2022 में आयोजित की गई थी। स्टार्टअप्स द्वारा कुल 48 नवीन परियोजनाओं को बीआईजी कार्यक्रम के तहत समर्थन के लिए अनुमोदित किया गया था, जिसके लिए प्रत्येक आवेदक को 50 लाख तक की फंडिंग सहायता प्राप्त होगी।

अमृत ग्रैंड चैलेंज "जनकेयर" कार्यक्रम के अंतर्गत प्रस्तावों के लिए कॉल

अमृत ग्रैंड चैलेंज "जनकेयर" के तहत प्रस्तावों के लिए कॉल, स्वास्थ्य देखभाल के वितरण की परिकल्पना–एक अरब लोगों के जीवन को छूना की घोषणा 26 जनवरी 2022 को की गई थी।

इस कार्यक्रम की घोषणा 28 सितंबर 2021 को आयोजित बाइरैक की 10वीं इनोवेटर्स बैठक में की गई थी, जिसमें डॉ. जितेंद्र सिंह, माननीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जी की उपस्थिति में डिजिटल हेल्थ, टेलीमेडिसिन, एमहेल्थ में 75 नवाचारों की पहचान और समर्थन किया गया था।

इस कार्यक्रम के माध्यम से बाइरैक, मेटी, नासकॉम, ग्रैंड चैलेंजेस इंडिया (जीसीआई) और कई अन्य साझेदारों के सहयोग से, भारत में स्वास्थ्य देखभाल के पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत बनाने के लिए बिग डेटा, ब्लॉकचैन, एआई/एमएल और अन्य तकनीकों का उपयोग करके टेलीमेडिसिन, डिजिटल हेल्थटेक, एमहेल्थ में स्टार्ट–अप और उद्यमियों द्वारा 75 हेल्थटेक इनोवेशन का समर्थन करेगा। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (एनडीएचएम) के साथ जुड़ा हुआ है और भारतीय नागरिकों के लिए अनिवार्य डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड और रोगी अनुपालन मानकों के प्रबंधन के विभिन्न कार्यक्षेत्रों का समर्थन करने का प्रयास करेगा। यह कार्यक्रम कई राज्यों, मेडटेक उद्योगों, अस्पतालों और कॉरपोरेट में अनुदान, मेंटरशिप और स्केलिंग के लिए विस्तारित समर्थन प्रदान करेगा।

अनुदान 3 श्रेणियों के तहत प्रदान किया जाएगा:

1. विचार और परीक्षण: 60 प्रारंभिक चरण के नवाचारों में प्रत्येक को 10 लाख रुपये का अनुदान मिलेगा।
2. पूर्व–व्यावसायीकरण: 13 बाद वाले चरण के नवाचारों में प्रत्येक को 20 लाख तक का अनुदान प्राप्त होगा।
3. बहु–केंद्रित उत्पाद परिनियोजन: 2 उन्नत चरण के नवाचारों में से प्रत्येक को 50 लाख का अनुदान प्राप्त होगा।

बाइरैक द्वारा समर्थित बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर आईकेपी नॉलेज पार्क ने 11 फरवरी से 10 मार्च 2022 तक अमृत ग्रैंड चैलेंज "जनकेयर" पर 8 वेबिनार की एक श्रृंखला का आयोजन किया।

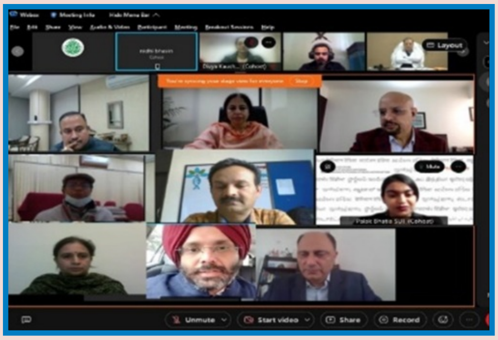

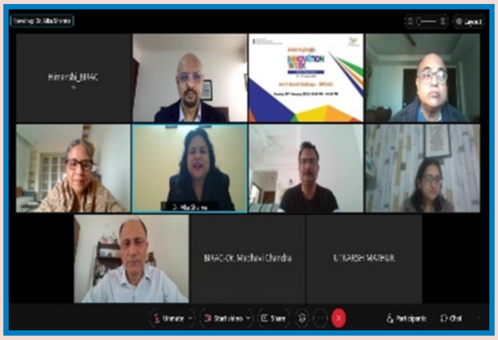

पंजाब स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने संयुक्त रूप से डीबीटी, बाइरैक, नैसकॉम फाउंडेशन और एम्स–भटिंडा के साथ चल रहे "ट्यूकेयर" इनोवेशन चैलेंज के तहत चुने गए स्टार्ट–अप के दो हेल्थकेयर इनोवेशन का पायलट टेस्ट–बेड सत्यापन शुरू किया। वर्चुअल मोड के माध्यम से 18 जनवरी 2022 को पंजाब में कम संसाधन वास्तविक समय सेटिंग्स में इन नवाचारों को आगे बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

ई–युवा के तहत प्रस्तावों के लिए पहली राष्ट्रीय कॉल (मूल्य वर्धित अभिनव ट्रांसलेशन रिसर्च के उपक्रम के लिए युवाओं को सशक्त बनाना)

ई–युवा के तहत प्रस्तावों के लिए पहली राष्ट्रीय कॉल (मूल्य वर्धित अभिनव ट्रांसलेशन रिसर्च के उपक्रम के लिए युवाओं को सशक्त बनाना) की घोषणा 26 जनवरी 2022 को की गई थी। ई–युवा स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर छात्रों का समर्थन करके छात्र उद्यमिता को बढ़ावा देता है। ई–युवा योजना के तहत बाइरैक 250 यूजी और 30 पीजी/पीएचडी को फेलोशिप की सहायता प्रदान करेगा।

बाइरैक ने देश भर में पूर्व–इनक्यूबेशन सुविधाओं के रूप में 10 ई–युवा केंद्रों का एक नेटवर्क स्थापित किया है। यह केंद्र यूजी/पीजी/पीएचडी के छात्रों द्वारा नवोन्मेषी अनुसंधान करने के लिए बुनियादी ढांचे के साथ 30,000 वर्ग फुट से अधिक जगह प्रदान करते हैं। 10 केंद्रों में से प्रत्येक को नॉलेज पार्टनर के रूप में एक परिपक्व बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर द्वारा समर्थित किया जाता है।

पहली कॉल के तहत 300 से अधिक आवेदन (टीमों में, 700 से अधिक छात्रों द्वारा) प्राप्त हुए थे, जिनकी अब समर्थन के लिए जांच और मूल्यांकन किया जा रहा है।

सितारे
बायोटेक इनोवेशन इग्निशन स्कूल (बीआईआईएस–10)

एसआरआईएसटीआई (सोसाइटी फॉर रिसर्च एंड इनिशिएटिव्स फॉर सस्टेनेबल टेक्नोलॉजीज एंड इंस्टीट्यूशंस) बाइरैक के सहयोग से बायोटेक इनोवेशन इग्निशन स्कूल (बीआईआईएस) नामक यूजी छात्रों के लिए तीन सप्ताह का आवासीय (कोविड दिनों के दौरान वर्चुअल) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। यह स्कूल विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए जमीनी स्तर पर नवाचारों के आसपास सत्यापन, मूल्यवर्धन और उत्पाद विकास पर ध्यान केंद्रित करता है। बीआईआईएस के तहत चयनित छात्रों को फार्माकोग्नॉसी/फाइटोकेमिस्ट्री, सॉयल माइक्रोबायोलॉजी, पशु चिकित्सा, कृषि और चिकित्सा उपकरणों के रूप में मुख्य रूप से पांच क्रिया–अनुसंधान क्षेत्रों में अलग–अलग परियोजनाएं सौंपी जाती हैं। बीआईआईएस के लिए टियर 2/3 शहरों और आकांक्षी जिलों से छात्रों के चयन पर विशेष ध्यान दिया गया है।

बीआईआईएस के दौरान, छात्रों को स्व–शिक्षण पाठ्यक्रम सामग्री, संदर्भ रीडिंग, घरेलू प्रयोगों को आगे बढ़ाने और सामुदायिक ज्ञान/जमीनी नवाचारों के लिए मूल्य जोड़ने के लिए एक प्रोटोकॉल विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

बीआईआईएस के सत्रों और व्याख्यानों में प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा बातचीत, स्टार्टअप द्वारा केस स्टडी, बायोइनक्यूबेटर नेताओं, बाइरैक के विशेषज्ञ और उद्योग जगत के नेता शामिल होते हैं।

बीआईआईएस के दो संस्करण वर्चुअल रूप से आयोजित किए गए थे:

10वां बीआईआईएस: 15 फरवरी से 6 मार्च 2022

11वां बीआईआईएस: 7 मार्च से 27 मार्च

इसमें बायोटेक्नोलॉजी विभाग की पूर्व सचिव डॉ. रेणु स्वरूप ने उद्घाटन का भाषण दिया। डॉ शेखर सी. मंडे, सचिव, डीएसआईआर और महानिदेशक, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद सहित विभिन्न प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भी दर्शकों को संबोधित किया।

प्रति कार्यशाला के 50 छात्रों में से 10 छात्रों का चयन किया जाएगा और प्रत्येक को एक लाख तक का अनुदान प्रदान किया जाएगा ताकि उनकी वैज्ञानिक योग्यता को प्रोत्साहित और पोषित किया जा सके।

बाइरैक इक्विटी फंडिंग योजनाएं (सीड फंड) के तहत कॉल

स्थायी उद्यमिता और उद्यम विकास (सीड) फंड उद्यमों को बढ़ाने के लिए बायो इन्क्यूबेटरों के माध्यम से नए और सराहनीय विचारों के साथ प्रति स्टार्ट–अप 30 लाख तक की इक्विटी–आधारित वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

देश भर से बाइरैक के सीड फंड भागिदार (बायोनेस्ट इन्क्यूबेटर्स) साल भर सीड फंड के लिए कॉल की घोषणा करते हैं। जनवरी–मार्च 22 के दौरान निम्नलिखित भागीदारों ने कॉल की घोषणा की:

- वीआईटी–टेक्नोलाजी बिजनेस इनक्यूबेटर, वेल्लोर।
- बैंगलोर बायोइनोवेशन सेंटर (बीबीसी), बैंगलोर।
- ए–आइडिया, एनएएआरएम, हैदराबाद।
- वेंचर सेंटर, पुणे

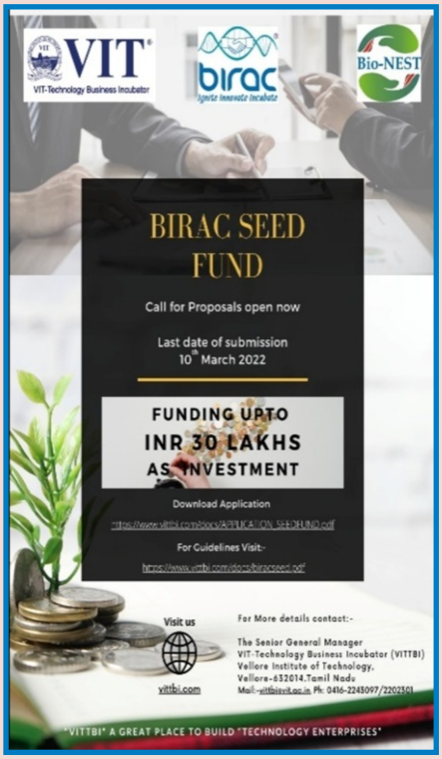

बाइरैक इक्विटी फंडिंग योजनाएं (लीप फंड) के तहत कॉल

लीप (लॉन्चिंग एंटरप्रेन्योरियल ड्रिवेन अफोर्डेबल प्रोडक्ट्स) फंड संभावित स्टार्ट–अप्स को 100 लाख रुपये तक की फंडिंग सहायता प्रदान करता है ताकि उनके उत्पादों/प्रौद्योगिकियों को पायलट/व्यावसायीकरण किया जा सके जो उनकी निर्माणपूर्व अवधि को कम करने के लिए पूर्व–व्यावसायीकरण चरण में पहुंच गए हैं।

बाइरैक के लीप फंड भागीदार (बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर) वेंचर सेंटर, पुणे द्वारा बाइरैक लीप फंड के तहत प्रस्तावों की घोषणा की गई थी।

बाइरैक द्वारा समर्थित स्टार्ट–अप्स के लिए फंडिंग और मान्यता का पालन

- आरोग्य एआई इनोवेशन, बाइरैक की वीमेन इन एंटरप्रेन्योरियल रिसर्च अवार्डी 2020 ने मल्टीड्रग–रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस (एमडीआर–टीबी) का तेजी से पता लगाने के लिए अपने एआई और सीक्वेंसिंग पर आधारित डायग्नोस्टिक प्लेटफॉर्म के लिए इंफो एज समर्थित रेडस्टार्ट लैब्स और अवाना कैपिटल (सीड प्रोग्राम) से 5.2 करोड़ रूपए जुटाए।
- बगवर्क्स ने लाइट रॉक इंडिया के नेतृत्व में वैश्विक निवेशकों से श्रंखला बी1 फंडिंग में $18 मिलियन (134 करोड़) रूपए जुटाए।
  - अपने सफ़र के शुरुआती चरणों के दौरान बाइरैक की बड़ी योजना के माध्यम से बगवर्क्स का समर्थन किया गया है।
- जीपीएस नवीकरणीय ने एसबीआईकैप वेंचर्स द्वारा प्रबंधित नीव फंड II से श्रंखला बी फंडिंग राउंड में 150 करोड़ (20 मिलियन अमरीकी डालर) की पूंजी जुटाई।
- मेडिसिम वीआर ने इन्फ्लेक्शन प्वाइंट वेंचर के नेतृत्व में पूर्व–श्रंखला ए में 3.5 करोड़ रुपये जुटाए।
- उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा निम्नलिखित स्टार्टअप को राष्ट्रीय स्टार्ट–अप पुरस्कार 2021 के विजेताओं के रूप में मान्यता दी गई।
  - चिकित्सा उपकरण श्रेणी के तहत स्वास्थ्य और कल्याण क्षेत्र में बायोनिक होप प्राइवेट लिमिटेड। यह स्टार्ट–अप स्पर्श और पकड़ नियंत्रण के साथ हल्के, किफायती कृत्रिम हाथ विकसित करता है।
  - औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी श्रेणी के तहत पर्यावरण क्षेत्र में रेवी एनवायरनमेंटल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड। यह स्टार्ट–अप बायोगैस का उत्पादन करने के लिए अपशिष्टों के माइक्रोबियल क्षरण द्वारा अपशिष्ट प्रबंधन के मुद्दों को हल कर रहा है।

पुरस्कारों की घोषणा 16 जनवरी 2022 को की गयी थी।

- निरामय हेल्थ एनालिटिक्स प्रा.लि. और इनएक्सेल टेक्नोलॉजीज प्रा.लि. ने विश्व बैंक समूह पुरस्कार और उपभोक्ता प्रौद्योगिकी संघ का वैश्विक महिला स्वास्थ्य तकनीक पुरस्कार प्राप्त किया जो उभरते बाजारों में महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा में सुधार के लिए तकनीक का लाभ उठाने वाले अभिनव स्टार्ट–अप को मान्यता देता है।
- सी6 एनर्जी, पैनडोरम और बगवर्क्स को साईंस्पॉट ब्लॉग में शीर्ष 20 नवीन बायोटेक कंपनियों के रूप में चित्रित किया गया था।
- ह्यूवेल लाइफसाइंसेज प्रा.लि. की सीईओ सुश्री रचना त्रिपाठी और संस्थापक निदेशक श्री शेशीर को सीआईआई एसआर व्यापार उद्यमिता पुरस्कार 2022 से सम्मानित किया गया।

आगे बढ़ने की गतिविधियाँ

विशेष विषयगत कार्यक्रमों के तहत जागरूकता कार्यक्रम, विशेषज्ञ वार्ता, वेबिनार, रोड शो आदि जैसे आउटरीच कार्यक्रम नियमित रूप से बाइरैक के भागीदारों जैसे कि बायोनेस्ट इनक्यूबेटर, ई–युवा केन्द्रों, बीआईजी भागीदारों और बाइरैक के क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा आयोजित किए जाते हैं। जनवरी–मार्च 2022 के दौरान आयोजित कुछ ऐसे कार्यक्रमों की सूची इस प्रकार है:

- 8 बीआईजी भागीदारों द्वारा बीआईजी संसिटाइजेशन सत्र / जागरूकता वार्ता का आयोजन किया गया

- बाइरैक बायोनेस्ट बायो इनक्यूबेटर आईकेपी नॉलेज पार्क ने निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए:
  - 2 मार्च को कोविड पर केंद्रित स्वास्थ्य तकनीक स्टार्टअप का प्रदर्शन करता रोड शो
  - 5 मार्च को अमृत ग्रैंड चैलेंज–जनकेयर स्टार्टअप चैलेंज–डिजिटल स्वास्थ्य
  - 26 मार्च को अमृत ग्रैंड चैलेंज पर वेबिनार–जनकेयर हेल्थकेयर डिलीवरी की फिर से कल्पना करना

- बाइरैक के ई–युवा केन्द्रों ने निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया:
  - 25 फरवरी को आत्मीय विश्वविद्यालय, राजकोट द्वारा विज्ञान से विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
  - 22 मार्च को आत्मीय विश्वविद्यालय, राजकोट द्वारा छात्र उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम।
  - 25 मार्च को करियर कॉलेज, भोपाल द्वारा छात्र उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
  - 28 मार्च को आत्मीय विश्वविद्यालय द्वारा स्वास्थ्य देखभाल एवं वेलनेस, कृषि, अपशिष्ट प्रबंधन, औद्योगिक बायोटेक, स्वच्छ ऊर्जा और स्वच्छता के विषय के तहत विचार किया गया

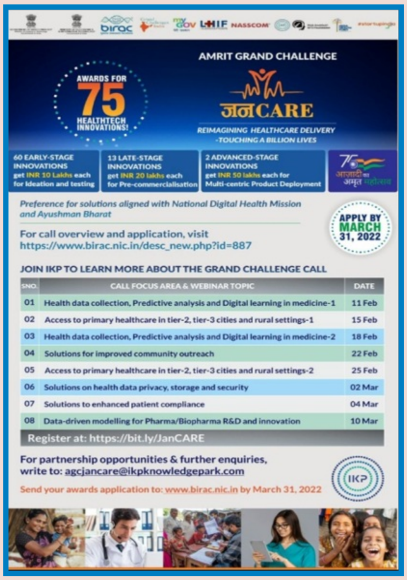

बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर–ई–युवा केंद्र का उद्घाटन

- आरसीबी, फरीदाबाद में बाइरैक के बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर–बीएससी बायो इनक्यूबेटर का उद्घाटन 26 फरवरी 2022 को माननीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह द्वारा किया गया था। डॉ राजेश गोखले, सचिव डीबीटी और अध्यक्ष,बाइरैक; डॉ. अलका शर्मा, वैज्ञानिक–एच, डीबीटी और एमडी, बाइरैक; डॉ. मनीष दीवान, अध्यक्ष–एसपीईडी, बाइरैक भी उद्घाटन में शामिल हुए।
- 28 फरवरी 2022 को एडम विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल में बाइरैक के ई–युवा केंद्र का उद्घाटन किया गया।

- बाइरैक के क्षेत्रीय केन्द्रों ने निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया:
  - बाइरैक के क्षेत्रीय जैव–नवाचार केंद्र (बीआरबीसी) ने निम्नलिखित कार्यशालाओं का आयोजन किया:
    - एग्रीटेक और खाद्य विनियमों, बिक्री और विपणन रणनीतियों, व्यवसाय योजना और चिकित्सा उपकरणों के लिए विनियमों पर सलाहकार क्लीनिक
    - अभ्यासियों के लिए डिजिटल मार्केटिंग और ब्रांडिंग पर वेंचर आधारित कैंप
    - नए इनक्यूबेशन केंद्रों के प्रबंधकों के लिए ऑनलाइन इमर्शन कार्यक्रम
    - लैब से क्लिनिक तक नई दवाएं ले जाना: अवधारणाएं और केस स्टडी
  - बाइरैक के क्षेत्रीय तकनीकी–उद्यमिता केंद्र ने केआईआईटी, बायोनेस्ट में पूर्व और उत्तर पूर्व के लिए दक्षिण बिहार के केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से नवाचार और उद्यमिता पर एक आभासी क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया
- बाइरैक के क्षेत्रीय उद्यमिता केंद्र (बीआरईसी) ने निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए:
  - इनक्यूबेटर प्रबंधक इमर्शन कार्यक्रम
  - निवेशकों के साथ बैठक
  - श्री पद्मावती महिला विश्व विद्यालयम, तिरुपति, आंध्र प्रदेश; एमिटी विश्वविद्यालय, ग्वालियर; डीएसटी टीईसी, मिजोरम विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों के साथ साझेदारी में राष्ट्रीय जीवन विज्ञान उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विज्ञान से विकास–प्रौद्योगिकी से प्रगति

आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम

- आईआईटी मद्रास हेल्थ टेक्नोलॉजी इनोवेशन सेंटर मेडटेक बायोनेस्ट इनक्यूबेटर ने 27 जनवरी, 2022 को तमिलनाडु सोसाइटी ऑफ इंडिया–तमिल नाडु चैप्टर के सहयोग से एचटीआईसी स्वास्थ्य देखभाल बैठक का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पैनल चर्चा, विशेषज्ञ सत्र और स्टार्ट–अप प्रदर्शन शामिल थे।
- 25 फरवरी, 2022 को आत्मीय विश्वविद्यालय, राजकोट में बाइरैक के ई–युवा केंद्र द्वारा विज्ञान से विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जहाँ हाइब्रिड मोड के माध्यम से "समाज पर जैव प्रौद्योगिकी की क्षमता, यात्रा और प्रभाव" पर विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की गई थी और ऑफ़लाइन मोड के माध्यम से सतत कला प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- 19 फरवरी 2022 को बाइरैक के बायोनेस्ट श्री रामचंद्र इनोवेशन सेंटर (एसआरआईआईसी) द्वारा "समस्या–समाधान फिट और उत्पाद–बाजार फिट प्राप्त करना" पर वेबिनार का आयोजन किया गया था।
- विज्ञान से विकास और प्रोद्योगिकी से प्रगति– एक स्वास्थ्य देखभाल बैठक जिसका आयोजन 16 मार्च 2022 को बाइरैक बायोनेस्ट बायो इनक्यूबेटर आईआईटीएम एचटीआईसी मेडटेक इनक्यूबेटर द्वारा किया गया था। इस बैठक में इमेजिंग तकनीक के क्षेत्र में पैनल चर्चा, विशेषज्ञ सत्र और स्टार्ट–अप डेमो शामिल थे।

महिला दिवस 2022

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस लैंगिक समानता के संदेश को फैलाने और एक बेहतर समाज बनाने की ओर एक साथ काम करने के लिए 8 मार्च को मनाया जाता है जहां कोई लिंग पूर्वाग्रह नहीं होता है। इस कार्यक्रम का उत्सव मनाने के लिए और बाइरैक में महिला कर्मचारियों के लिए दिन को मजेदार बनाने के लिए, सुबह कुछ खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं की उपलब्धि पर आधारित क्विज और म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता शामिल थी। सभी आवश्यक कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए प्रतियोगिताओं को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

शाम के इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. राजेश गोखले (सचिव डीबीटी और अध्यक्ष बाइरैक) ने डॉ. अलका शर्मा (वरिष्ठ सलाहकार डीबीटी और एमडी बाइरैक), निदेशकों (संचालन, वित्त), बाइरैक के सभी विभागों के प्रमुखों और सभी कर्मचारियों की उपस्थिति में की। इस सत्र का आयोजन हाइब्रिड मोड में किया गया था। शाम के इस सत्र में "टिकाऊ कल के लिए आज लैंगिक समानता" पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति थी, जिसके बाद एक प्रतिभा की खोज कार्यक्रम था जिसमें बाइरैक के सभी कर्मचारियों के लिए कविता, चित्रकला और गायन प्रतियोगिताएं शामिल थीं। प्रतिभा की खोज का विषय "नारी शक्ति" था। सभी प्रतियोगिता वर्गों के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम का समापन डॉ. राजेश गोखले (सचिव डीबीटी और अध्यक्ष बाइरैक) की टिप्पणियों के साथ हुआ।

निर्णय लेने, समस्या को सुलझाने और विपरीत परिस्थितियों में काम करने पर प्रशिक्षण

बाइरैक संगठन में सभी को निरंतर सुधार, क्रॉस लर्निंग के साथ–साथ नवीन और प्रेरक गतिविधियों में लगे रहने के महत्व को समझता है।

25 मार्च 2022 को कर्मचारियों के लिए स्थिति चर को विच्छेदित करने, प्राथमिकताओं और निर्णय लेने और कार्यस्थल में रचनात्मक समस्या समाधान के व्यावसायिक कारणों को पहचानने में मदद करने के लिए, बाइरैक कर्मचारियों के लिए 'निर्णय लेना, समस्या समाधान और प्रतिकूल परिस्थितियों में काम करने' पर आंतरिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण ने विभिन्न केस स्टडीज के माध्यम से सर्वोत्तम संभव निर्णय पर पहुंचने के लिए सहक्रियात्मक समन्वय और उद्देश्यों को महत्व देने के लिए कार्यस्थल में गैर–प्रमुख प्राथमिकताओं को महत्व देने वाले कर्मचारियों की मदद की।

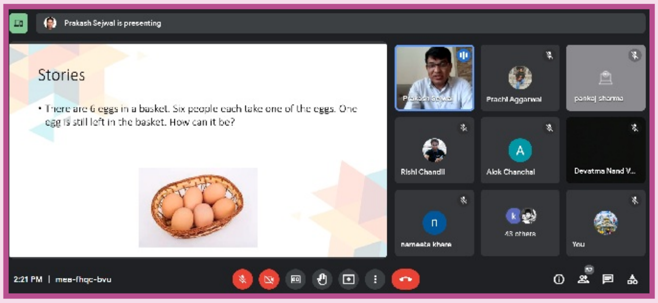

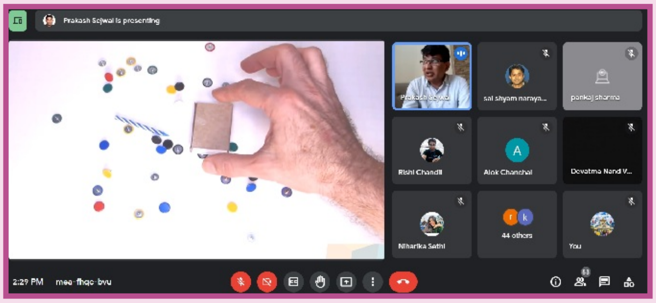

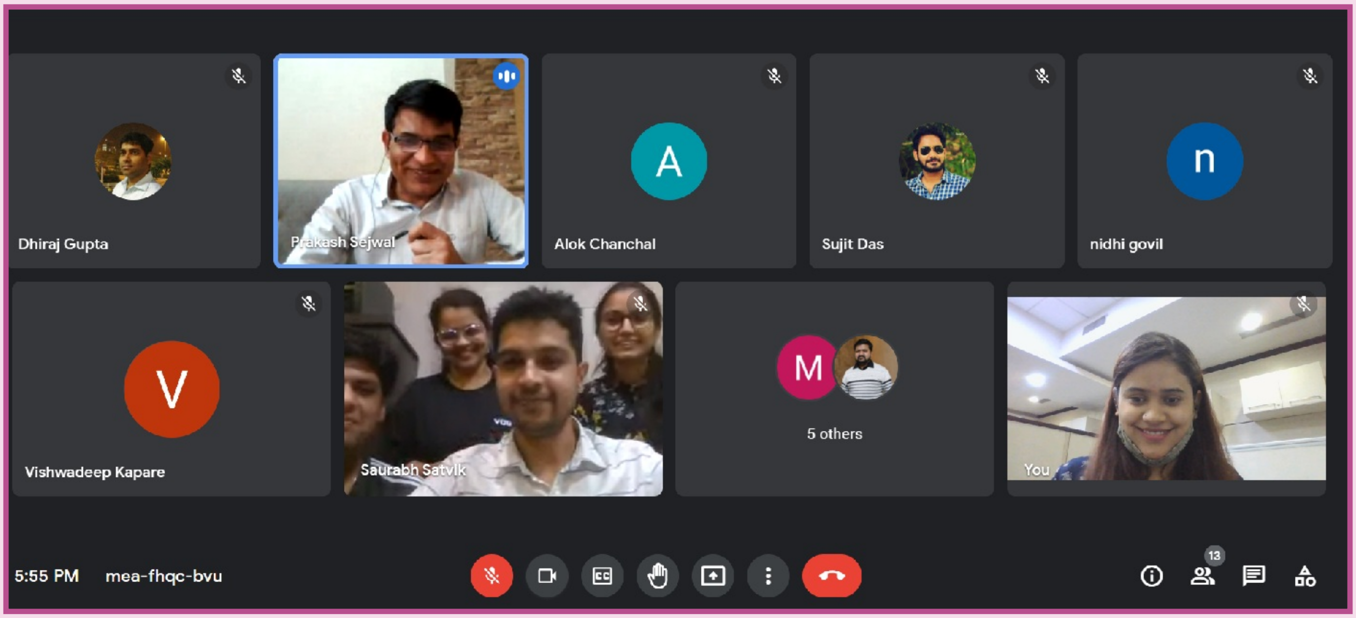

राजभाषा अधिनियम पर वर्कशॉप

राजभाषा अधिनियम के कार्यान्वयन के क्रम में, कर्मचारियों को राजभाषा के महत्व और प्रावधानों से परिचित कराने के लिए 30 मार्च 2022 को बाइरैक के कर्मचारियों के लिए एक वर्चुअल वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप ने कर्मचारियों को राजभाषा अधिनियम के संवैधानिक प्रावधानों को समझने और दिन–प्रतिदिन आधिकारिक पत्राचार में राजभाषा लागू करने में मदद की।

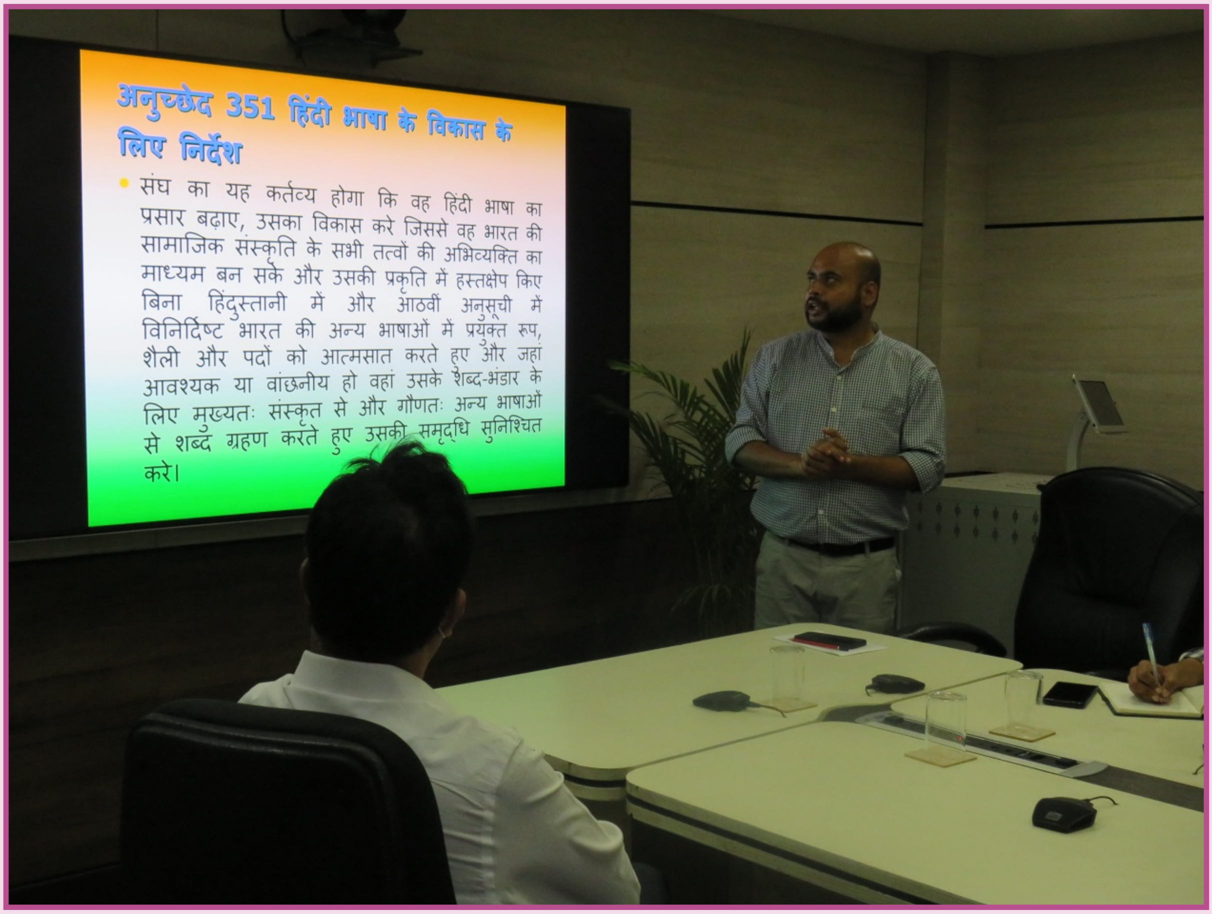

Grand Challenges India

ग्रैंड चैलेंजेज इंडिया (जीसीआई)

चौथी वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक
एनएसए सैक, 10 फरवरी 2022

क्षमता निर्माण और एमएसएसआरएफ, चेन्नई द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे पोषक उद्यानों की स्थापना के माध्यम से कुपोषित ग्रामीण परिवारों के लिए खाद्य आधारित पोषण सुरक्षा

यह परियोजना एम.एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन (एमएसएसआरएफ) द्वारा चार राज्य के कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) की भागीदारी के सहयोग से पालघर, महाराष्ट्र, तिरुवल्लूर, तमिलनाडु, कानपुर देहात, उत्तर प्रदेश और जयपुर (एमएसएसआरएफ कैंपस), ओडिशा में कार्यान्वित की जा रही है।

इस परियोजना ने कृषि विज्ञान केंद्रों में पोषक तत्वों से भरपूर और बायोफोर्टिफाइड पौधों की प्रजातियों के उद्यान स्थापित किए हैं, जो विशिष्ट कृषि–पारिस्थितिक क्षेत्रों (अत्यधिक कुपोषित जिलों) में विशिष्ट पोषक तत्वों (विटामिन और खनिज) की कमी को दूर करेंगे। इसके अलावा, यह उद्यान किसान परिवारों के लिए बीज और रोपण सामग्री के संसाधन केंद्र के रूप में भी काम करेंगे। बदले में यह, कृषि–पोषण की कड़ी को मजबूत करेगा और कुपोषण को खत्म करने के लिए सामुदायिक भूख सेनानियों के माध्यम से कुपोषित वर्गों के बीच पोषण जागरूकता पैदा करने में मदद करेगा।

चौथी वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक वर्चुअल रूप से 10 फरवरी, 2022 (गुरुवार) को आयोजित की गई थी। इस बैठक में हितधारकों, सलाहकारों और अनुदानग्राही और परियोजना टीम के बीच विस्तृत बातचीत के माध्यम से अंतिम अवधि के मूल्यांकन के लिए परियोजना गतिविधियों पर चर्चा और समीक्षा की गई।यहाँ सिफारिशों, प्रमुख कार्रवाई बिंदुओं पर विचार–विमर्श किया गया, और तदनुसार वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए भविष्य की गतिविधियों की योजना बनाई गई।

NATIONAL BIOPHARMA MISSION
innovate in India for inclusiveness (i3)

राष्ट्रीय बॉयोफार्मा मिशन

मेडटेक आईआईटी कानपुर सुविधा प्रमाणीकरण

मेडटेक आईआईटी कानपुर मेडिकल–ग्रेड तकनीक और समाधानों से भरपूर उत्तर भारत में एक स्थानीय उत्पादन केंद्र को बढ़ावा देने के लिए आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली के साथ मेडिकल डिवाइसेस और उपकरणों के डिजाइन व निर्माण के लिए एक परिष्कृत सुविधा है। यह सुविधा चिकित्सा उपकरणों के लिए ISO13485:2016 प्रमाणपत्र द्वारा मान्यता प्राप्त है। इसे 2019 में आईआईटी कानपुर और राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन, बाइरैक के बीच एक संयुक्त पहल के रूप में स्थापित किया गया था। यह सुविधा सस्ती कीमतों पर गैर–खतरनाक चिकित्सा उपकरणों के प्रारूप बनाती है। यह शोधकर्ताओं, छात्रों, डॉक्टरों, उद्यमियों के विचारों को कार्यात्मक प्रारूपों में बदलने में मदद करता है।

यह सुविधा निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करती है; डिजाइन का विश्लेषण, सीएडी मॉडलिंग, रिवर्स इंजीनियरिंग और पीसीबी डिजाइन। इस सुविधा ने ऐसे प्रारूप तैयार किए हैं जिनकी चिकित्सा समुदाय द्वारा सराहना की गई है, जैसे कि संजीवनी (ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर), IV फ्लूइड वार्मर और जॉ ओपनिंग डिवाइस।

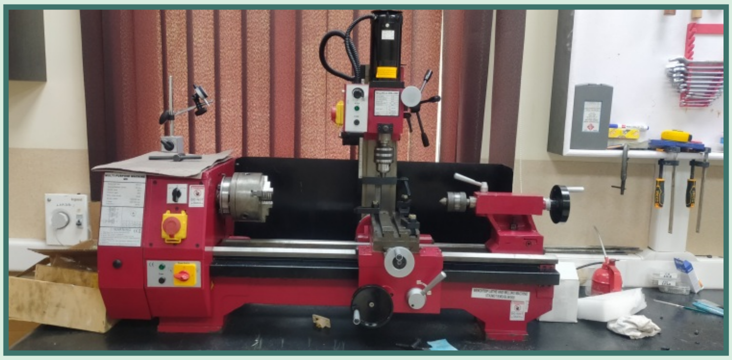

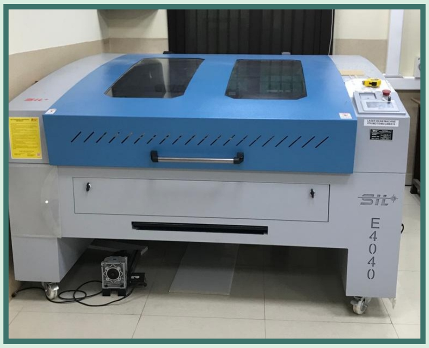

मेडटेक आईआईटी कानपुर की सुविधा की झलक)

मराठवाड़ा मेडटेक लैब सुविधा

औरंगाबाद, महाराष्ट्र में स्थित मराठवाड़ा मेडटेक लैब (एमएमटीएल); चिकित्सा उपकरणों के लिए एक रैपिड प्रोटोटाइप सुविधा (RPT) है। एमएमटीएल सुविधा आईएसओ 13485:2016 प्रमाणित है। यह राष्ट्रीय जैव–फार्मा मिशन के तहत वित्त पोषित है। यह राष्ट्रीय स्तर पर शोधकर्ताओं और सलाहकारों के लिए कनेक्शन का अत्यधिक लाभ प्रदान करती है।

एमएमटीएल तीन प्रमुख श्रेणियों में अपने अत्याधुनिक उपकरणों के साथ आरपीटी सेवाएं प्रदान करता है जैसे कि थर्माप्लास्टिक, मेटल मशीनिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोटोटाइप। इस सुविधा का उद्देश्य चिकित्सा उपकरणों के तेजी से प्रोटोटाइप के लिए स्टार्ट–अप, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और औद्योगिक ग्राहकों की सहायता करना है।

Machine Parameters
Fortus 450mc
stratasys

2020-6-16 17:29

ElectroMech
SHOT ON REDMI K20
AI TRIPLE CAMERA

डेंगू को बेअसर करने वाली एंटीबॉडी प्रतिक्रियाओं को मापने के लिए एक मजबूत अनुकूलित परख प्रणाली – डॉ मुरली काजा, डॉ अनमोल चंदेल और टीम द्वारा विकसित – एनबीएम बाइरैक द्वारा समर्थित

डेंगू दुनिया भर में एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है, जिसमें भारत वैश्विक डेंगू बीमारी के बोझ का लगभग एक तिहाई योगदान देता है। कई वैक्सीन उम्मीदवार भारत और दुनिया भर में विकास के विभिन्न चरणों में हैं और/या नैदानिक परीक्षण सभी चार डेंगू सीरोटाइप के खिलाफ व्यापक रूप से तटस्थ एंटीबॉडी के साथ एक संतुलित प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ हैं। ये प्रयास डेंगू से उजागर और/या टीकाकृत आबादी के नमूनों के एक बड़े समूह में चार डेंगू वायरस सीरोटाइप में से प्रत्येक के खिलाफ एंटीबॉडी प्रतिक्रियाओं को बेअसर करने के माप पर निर्भर करते हैं।

- चूंकि भारत में डेंगू की वैक्सीन का मूल्यांकन जारी है, इसलिए इन प्रयासों को सुविधाजनक बनाने के लिए डेंगू को बेअसर करने वाली एंटीबॉडी प्रतिक्रियाओं को मापने के लिए एक मजबूत अनुकूलित परख प्रणाली की आवश्यकता है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन (एनबीएम, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, भारत सरकार) द्वारा वित्त पोषित डेंगू ट्रांसलेशनल कंसोर्टियम (डेंगू–टीआरसी) के माध्यम से आईसीजीईबी, नई दिल्ली में आईसीजीईबी–एमोरी वैक्सीन केंद्र की संयुक्त प्रयोगशाला टीम के साथ, हाल ही में भारत से नैदानिक नमूनों में डेंगू को बेअसर करने वाली एंटीबॉडी प्रतिक्रियाओं को मापने के लिए उच्च थ्रूपुट फ्लो साइटोमेट्री–आधारित मूल्यांकनों को अनुकूलित किया है। यह लेख "वैक्सीन" पत्रिका में प्रकाशित हुआ है, *शर्मा पी, नायक के, रेड्डी ईएस, फारूकी एच, मुरली–कृष्णा के, चंदेल ए। चार डेंगू वायरस सीरोटाइप में से प्रत्येक के खिलाफ एंटीबॉडी प्रतिक्रियाओं को बेअसर करने के लिए फ्लो–साइटोमेट्री आधारित मूल्यांकन का अनुकूलन। वैक्सीन्स (बेसल)। 2021;9(11):1339 प्रकाशित 2021* **https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC8619405**
- इच्छुक पार्टियां डॉ. माधवी राव, वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक, एनबीएम, बाइरैक से संपर्क कर सकती हैं ताकि आईसीजीईबी में डेंगू टीआरसी शोधकर्ताओं के साथ समन्वय में इस अनुकूलित परख का उपयोग करके अपने डेंगू उम्मीदवार के टीके के मूल्यांकन प्रयासों को सुविधाजनक बनाया जा सके।

3500+
स्टार्ट–अप, उद्यमी, कंपनियों ने समर्थन किया, लाभार्थियों

75
बायोइन्क्यूबेटरों का समर्थन किया

4
क्षेत्रीय एवं उद्यमिता विकास केंद्र

बाइरैक द्वारा
₹ 4000 करोड़
की वित्त पोषण सहायता

₹ 1444 करोड़
की उद्योग प्रतिबद्धता

344
शैक्षणिक संस्थानों का समर्थन किया

प्रेरण नवप्रवर्तन व्यवसाय

₹ 4242 करोड़
का कुल वित्त पोषण

10000
से अधिक लोगों का कौशल विकास और नेटवर्क तक पहुँच

713132
वर्ग फुट का इन्क्यूबेशन स्थल

₹ 363 करोड़+
सभी 3 इक्विटी योजनाओं ऐस, सीड एवं लीप फंड द्वारा सौपी गई निधियों का कुल फंड

32474
रोजगार उत्पन्न

16
बायोइन्क्यूबेटरों का इक्विटी आधारित सीड फंड के अंतर्गत समर्थन किया

1250
आईपी जेनरेटेड

650
उत्पाद एवं प्रौद्योगिकियाँ

विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें:

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक)

प्रथम तल, एमटीएनएल बिल्डिंग, 9, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली–110003, भारत

टेलीफोन: +91–11–24389600 | फैक्स: +91–11–24389611

ई–मेल: birac.bdt@nic.in | वेबसाइट: www.birac.nic.in

हमें ट्विटर : @BIRAC_2012 पर फॉलो करें।